Federaiion Limited has been marketing, sonieV" of its', products in Delhi . ' and outside;

(b) if so, what are the names of the products alongwith names of their pro ducer's";

(c) whether the Federation has also been marketing cheese, white and table butter under the brand name of 'Amul';

(d) if so, what are'the'reasons for difference in the retail sale price of table butter in different, packs- at Super Bazar and. Mother, Dairy Fruits and Vegetable vending booths ' of Delhi when compared to each other;

(e) whether it is a fact that the retail sale price of table butter is Rs. 100 per Kg. in open market;

(f) what are the reasons for the scar city of table butter since the presenta tion of' General Budget for 1991-92; and

(g) what steps Government propose to take in this regard with a view to improve the position?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI K.C. LENKA): (a) and (b) The Gujarat Cooperative Milk Marketing Federation is marketing the following products manufactured by its member Unions in Gujarat, in Delhi and outside:—

(i) Amul Spray (ii) Amul Butter (iii) Sagar skim milk powder (iv! Amul Shrikhand (v) Amul ghee (vi) Amulya Instant (vii) Nutrarnul (viii) Amul Cheese (ix) Amul Chocolates (x) Amul Whole milk powder (xi) Amul Cheese spread, etc.

(c) Yes, Sir.

(d) The retail price of Amul butter including dealers' margin and inclusive of all taxes is Rs. 8/- and Rs. 38.50 per pack of 100 gms. and 500 gms. respectively. Minor variations in retail price could be due to voluntary reduction of margin by the dealers.

Ce) No, Sir.

(f) and (g) The production- of butter and few other daily products had to- be curtailed as priority has, been given by -the public/copperatiye sector -daily plants to meet the requirement of. liquid milk of cities and towns. However, with the onset of flush season the production and availability of surplus milk fat is likely to improve.

रामतिल का उत्पादन और निर्यात

811. **श्री राधाकिशन मालवीय :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या रामतिल मध्य प्रदेश में आदिवासी किसानों की प्रमुख तिलहन फसल है ;

(ख) यदि हां, तो वहां तिलहन फसल कुल कितने क्षेत्र में उगाई जाती है तथा उसका कुल उत्पादन कितना है तथा उस क्षेत्र में से आदिवासी क्षेत्र कितना है ;

(ग) क्या सरकार ने तिलहन के समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी है ; यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ;

(घ) क्या रामतिल की विदेशों में मांग है, यदि हां, तो इसके निर्यात के लिये सरकार ने क्या प्रबंध किये हैं ; और

(ङ) क्या रामतिल के निर्यात की संभावनाओं को देखते हुये सरकार इस फसल पर अनुसंधान कार्य करा रही है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) रामतिल मध्य प्रदेश में आदिवासी किसानों द्वारा उगाई जाने वाली एक महत्वपूर्ण फसल है ।

(ख) वर्ष 1990-91 में मध्य प्रदेश में रामतिल के तहत कुल क्षेत्र 2.25 लाख हैक्टेयर होने का अनुमान

है। इसमें से लगभग 2.05 लाख है० राज्य के आठ मुख्य आदिवासी जिलों में है। 1990 91 के दौरान मध्य प्रदेश में रामतिल का उत्पादन 48,000 मीटरी टन होने का अनुमान है।

(ग) जी, नहीं। रामतिल एक छोटा तिलहन है। मूंगफली, सूरजमुखी, सोया बीन, तोरिया सरसों और कुसुम जैसे अन्य तिलहनों की तुलना में इसका उत्पादन नगण्य है। इसलिये, रामतिल के मूल्य, मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत निर्धारित नहीं किये गये हैं।

(घ) जी, हां। इस मद का निर्यात तेफेड और ट्राइफेड के जरिये किया जाता है।

(ङ) जी, हां। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद तिलहनों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के अन्तर्गत रामतिल के सुधार पर अनुसंधान कर रहा है।

Bharatiya Kisan Union rally at Boat Club

812. SHRI BEKAL UTSAHI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased state:

(a) whether it is a fact that a farmers' rally was organised by the Bharatiya Kisan Union on October, 2, 1991, with a view to seek redressal of farmers' grievances at the Boat Club lawn New Delhi;

(b) if so, what were the main demands put forward at the rally; and

(c) what steps Government have taken to redress the grievances?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI MULLAPPALLY RAMACHANDRAN): (a) Yes, Sir.

(b) Bharatiya Kissan Union has not communicated the main demands put. forward at the Rally.

(c) Question does not arise.

पंजाब में भूमि की उर्वरता

813. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**

श्री राम जेटमलानी :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सरकार का ध्यान 11 नवम्बर, 1991 के दैनिक ट्रिब्यून में "पंजाब सोथ मेनली आन फार्म फ्रंट सर्वे" नामक शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि अभी तक पंजाब में गेहूं तथा चावल की खेती होती रही है ;

(ग) क्या यह भी सच है कि कीटनाशकों तथा सिंचाई सुविधा के अभाव और अन्य कारणों से भूमि की उर्वरता धीरे-धीरे प्रभावित होने की संभावना है ; और

(घ) यदि हां, तो उस राज्य में भूमि की उर्वरता को बनाये रखने की दृष्टि से सरकार द्वारा बनाई गई योजनाओं तथा उन्हें कार्यान्वित किये जाने के लिये अभी तक किये गये प्रबंधकों का ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रम) : (क) जी, हां।

(ख) गेहूं और चावल के अलावा, कपास, गन्ने, मक्का, तिलहनों और दालों जैसी अन्य फसलें भी उगाई जाती हैं।

(ग) जी, नहीं। पंजाब राज्य में कृमिनाशी दवाओं और सिंचाई की सुविधाओं की कुल उपलब्धता संतोषजनक बताई जाती है। उर्वरकों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल से मृदा की उर्वरता का ध्यान रखा जा रहा है।

(घ) यह प्रश्न नहीं उठता।